पड़ोसन भाभी को नहाते देख छेड़ कर फंसा कर चुदाई की

“पड़ोस की भाभी पानी ना आने से हमारे घर नहाने आई तो मैंने उन्हें नहाते देख गाना गाने लगा और वो पट गई. भाभी की चुदाई की पूरी कहानी पढ़ें ! …”

Story By: कुमार सोनू साई (kumarsonusai)
Posted: Friday, July 21st, 2017
Categories: चुदाई की कहानी
Online version: पड़ोसन भाभी को नहाते देख छेड़ कर फंसा कर चुदाई की

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

पड़ोसन भाभी को नहाते देख छेड़ कर फंसा कर चुदाई की

मेरे प्रिय पाठको,
आप में से कुछ लोगों को तो पता चल ही गया है कि मैं पिछले महीने दिल्ली गया था !
चूँकि मैंने आप में से कुछ लोगों को फेसबुक के जरिये बताया था और काफी दोस्तों से मुझे ये दूसरी सच्ची कहानी लिखने का बढ़ावा मिला तो मैं आप सबके लिये अपनी नई कहानी लिख रहा हूँ !
वैसे तो मुझे काफी लोग जानने लगे हैं अन्तर्वासना के जरिये… लेकिन जो नहीं जानते हैं, उनके लिये मैं अपना परिचय दे दूँ, मेरा नाम सोनू कुमार है, मैं रंग में गोरा हूँ, मेरी हाईट लगभग 6′ है.

अब मैं उस औरत का चित्रण करना चाहूंगा जिसके साथ मेरी नई घटना घटी, उसके पहले यह बता दूँ कि आप कोई भी कहानी पढ़ो तो अगर आप लड़का हो तो कहानी में सोचिए कि वो लड़का कोई और नहीं आप ही हैं और अगर आप लड़की हो तो ये सोचिए वहाँ लड़की का फर्ज आप अदा कर रही हैं.
और लड़के का फर्ज कोई भी जो आपके मन में आये सोच लें… तब कहानी पढ़ेंगे तो आपको कहानी की सच्चाई महसूस होगी !

अब सुनिये वो एक औरत थी अन्य धर्म से, उसका मेरी चाची के यहाँ आना जाना अच्छा था ! उसकी उम्र यही कोई 20-22 होगी लेकिन उसके बूब्स बिल्कुल कड़क और बड़े साइज़ के थे, गांड भी थोड़ी निकली हुई थी, उनको दो बच्चे भी थे, 3 साल का लड़का और 2 साल की लड़की… दोनों बच्चे बहुत प्यारे थे. खैर भाई कहानी सुनो, बच्चे को छोड़ो !

हम लोग उनको भाभी ही बुलाते थे, भाभी बहुत ही शर्मीली किस्म की थी, वैसे तो वो मुझसे बात नहीं करती थी लेकिन मुझे तिरछी नज़र से देखती थी. मुझे लगा वो सिर्फ इसलिए देखती है कि मैं बिहार से आया हूँ, कैसे क्या बोलता हूँ क्या करता हूँ… वगैरह.

लेकिन उनके मन में कुछ और ही था. कुछ दिन ऐसे ही बीतते गये और मैं उनके साथ सेटिंग करने की सोचने लगा.
जब रहा नहीं जाता तो ब्लू फिल्म अपने मोबाइल में डाउनलोड कर के देख लेता और बाथरूम में जाकर मुठ मार लेता.

भाई दिल्ली में सबसे बड़ी दिक्कत तो पानी की है. एक दिन किसी कारणवश पानी का टैंकर नहीं आया और उस भाभी का पानी भी खत्म हो गया मतलब उसके घर का… तो वो हमारे ही घर में कुछ कपड़े धोने के लिये और खुद नहाने के लिये आई.
वैसे टैंकर का पानी कोई नहीं पीता, वो पानी सिर्फ नहाने धोने के काम आता है. पीने का पानी पास ही की कोई आंटी के यहाँ से आता था तो मेरी चाची पीने का पानी लाने चली गई.

सभी भाई भी बाहर खेल रहे थे, मुझे पता नहीं था कि भाभी नहा रही है, मुझे लगा कपड़े धो रही होगी. नहाने वाला बाथरूम टायलेट के साइड में है, मैं टॉइलेट जाने लगा तो मैंने जब भाभी को भीगा हुआ देखा तो क्या बताऊँ लग रही थी… मेरा तो मन किया कि अभी बोल दूँ कि भाभी मैं आप की चुदाई करना चाहता हूँ.
और मैं यह गाना गाते हुये टॉयलेट चला गया ‘भीगा ये बदन तेरा… पानी में आग लगाये…
पानी वाला डाँस (सन्नी लियोन वाला) और खड़े लौड़े को मुठ मार कर शांत किया.

फ़िर एक दिन भाभी अपने घर की सफाई कर रही थी, तभी उन्होंने अपने बच्चे के द्वारा मुझे बुलवाया. जब मैं उनके घर गया तो उन्होंने कहा- ज़रा फ्रिज साइड कर दीजिये !

और हम दोनों मिलकर फ्रिज को धक्का देकर साइड करने लगे.
तभी मेरे हाथ और उनके मुलायम और गर्म हाथों का स्पर्श हुआ और भाभी ने शर्मा कर हाथ हटा लिया और मुस्कुरा कर बोली- मुझ पे लाइन मारते हो ?
तो मैंने कहा- नहीं भाभी, ये तो गलती से टच हो गया !
भाभी बोली- उस दिन जो मुझे नहाते देख कर तुम गाना गाने लगे थे ?
मैंने बोला- वो तो ऐसे ही मन हो गया तो गा लिया !

फ़िर वो बोली- तुम्हारा जो मन हुआ था वो तेरे हाफ पेंट में दिख गया था !
मुझे फिर मुझे याद आया कि भाभी को सच में दिख गया होगा क्योंकि मेरा वो पैंट बहुत ढीला था और अंदर कच्छा भी नहीं पहना था क्योंकि छत पर बारिश की वजह से गीला हो गया तो पहन भी नहीं पाया था.

फिर वो बोली- वैसे जो तुम चाहते हो, मैं भी वो चाह रही हूँ, अगर तुम मुझे कुछ बोलना चाहते हो तो बोल दो, आज घर में कोई नहीं है.

बस मैं समझ गया और भाभी को बोला- भाभीजान, आप मेरी प्यास बुझा सकती हैं.
तो वो बोली- मैं भी प्यासी हूँ… ये (उसके शौहर) अपने काम में ही बिजी रहते हैं, मुझ पे कोई ध्यान ही नहीं देते.
मैंने कहा- भाभी, आपके जैसी असंतुष्ट महिलाओं के लिये भगवान ने मुझे भेजा है !

और वो खुश होकर मुझसे लिपट गई, फिर वो बोली- चलो बेड पे !
मैं उनके पीछे चल दिया, वहाँ पहुँचते ही मैंने अपने सारे कपड़े निकाल दिये.
वो मुझे देख कर मुस्कुराती हुई बोली- क्या बात है, बड़ी जल्दी में हो ?
मैंने कहा- मेरे पास टाइम कम है !

फिर वो ‘अच्छा जी…’ बोल कर मेरा लंड पूरी तरह खड़ा करने लगी लेकिन मुझमें एक

खासियत है, जब तक मैं ना चाहूं, मेरा खड़ा नहीं होता.
वो कोशिश करके थक गई तब मैंने उन्हें अपना लंड चूसने को कहा. वो चूसने लगी, तब जाकर खड़ा हुआ.
भाभी की चुदाई की यह हिंदी चुदाई की कहानी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

फिर मैंने भाभी को अपने कपड़े उतारने को कहा. उन्होंने अपने सारे कपड़े उतार दिये और बेड पे लेट गई. फिर मैं उन पर लेट गया और उनके थोड़े मोटे होंठों को अपने होंटों में लेकर चूसने लगा और दोनों हाथों के द्वारा उनका गोरी चूची और भूरे निप्पल दबाने लगा. जब उनके निप्पल मेरे दो उँगलियों के बीच दबते तो वो आआआह्हह कर के चीख उठती थी.

अब वो कसमसाने लगी और बोलने लगी- सोनू, क्या रहे हो, जल्दी से वो डाल दो!
और मुझे भी जल्दी था तो मैंने देर ना करते हुये उनकी दोनों टांगें चीर कर ऊपर उठा दिया और उनकी हल्की से किस किया और उसके बूब्स दबाते हुये बोला- अब शुरू करता हूँ!
वो बोली- ओके…

अब मैंने अपना लंड उनकी छोटी सी चुत में डालने की कोशिश की और कामयाब हो गया. मुझसे उसकी चूत की गर्मी सहन नहीं हो पा रही थी क्योंकि वो बहुत गर्म हो चुकी थी तो मैं थोड़ी देर वैसे ही रुक गया.
अगर मैं नहीं रुकता तो शायद दो तीन झटके में ही झर जाता!

वो गुस्सा होने लगी.
फिर मैंने अपना कार्यक्रम शुरू किया वो कुछ इस तरह की आवाजें निकालने लगी- या आआल्ल्ला हहहह्हा मुझे पहले क्यों नहीं दिया ऐसा लंड!
और उम्म्ह… अहह… हय… याह… कर के चुदने लगी और इस क्रम में वो दो बार झड़

चुकी थी, उसका माल काफी गाढ़ा था और गर्म तो इतनी मानो अपना लौड़ा मैंने आग में तपने दे दिया हो !

अब मुझे भी झरना था क्योंकि घर में सब मुझे ढूँढने लग जाते… इसलिये मैंने जोर जोर से धक्के लगाना जारी रखा वरना उसकी क्या औकात कि मेरे शेर को इतना जल्दी जंगल छोड़ने पर मजबूर कर दे !
मैंने पूछा- कहाँ झरना है मेरा माल ?
तो वो बोली- तू मेरी चुत में ही झड़… मैं देखना चाहती हूँ कि तेरी नस्ल का बच्चा कैसा है !

और मैंने ओके बोलते ही उसकी चूत को मलाई की नदी बना दिया.

जल्दी जल्दी मैंने कपड़े पहने फिर अपने घर आने लगा तो वो बोली- जरा रुक ना… आज तूने मुझे इतना चोदा और मेरी चूची रगड़ा कि मेरी चूची मेरी ब्रा में नहीं आ रही हैं, ज़रा पीछे से हुक लगा दो !
मैंने उसकी हुक लगाई और उसके होंटों पे एक पप्पी ली तो उसने कहा- अब मत ले पप्पी… नहीं तो तुझे यहाँ और रुकना पड़ेगा.
मैं यह सुनते ही उसके घर से दौड़ कर अपने घर आ गया.

जब चाची ने पूछा कि कहाँ थे तो मैं बोला- कैस और जुबिया को पढ़ाने भाभीजी ने बुलाया था !

आपको मेरी कहानी कैसी लगी मुझे kumarsonusai@gmail.com इस पर mail करें !

कुमार सोनू साई की सभी कहानियाँ

Other stories you may be interested in

गांड चुदाई से ठंड मिटाई

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम आर्यन है. मेरी उम्र 24 वर्ष है, कद 5 फुट 10 इंच का है और रंग सांवला है. मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ. फिलहाल मैं दिल्ली में ही एक प्राइवेट कम्पनी में जॉब कर रहा […]
Full Story >>>

दो बहनों के साथ थ्रीसम चोदन-2

तब तक वंदना भी चेंज कर के बाथरूम से आ गयी. उसने बहुत ही छोटी स्कर्ट पहनी थी जो उसकी चूत से थोड़ी नीचे थी और एक टीशर्ट पहनी थी जो सिर्फ उसके मोम्मो को कवर कर रही थी. यानि […]
Full Story >>>

तीन पत्ती गुलाब-26

गौरी ने शरमाकर अपनी आँखों पर हाथ रख लिए। गौरी की मौन स्वीकृति पाकर मैंने उसे एक बार फिर कसकर अपनी बांहों में भींचते हुए चूम लिया। लंड महाराज तो पजामा फाड़कर ही बाहर आने लगे थे। मैंने उसे अपनी […]
Full Story >>>

नयी नवेली कुंवारी दुल्हन भाभी को चोदा

मेरे एक दोस्त की शादी हुई. मैंने उसकी नयी नवेली दुल्हन को चोदा. यानि कुंवारी भाभी को चोदा. यह कैसे सम्भव हुआ ? मेरी सेक्सी कहानी पढ़ कर पता लगाएं. बात लगभग 10 वर्ष पूर्व की है, वैसे तो मेरा परिवार […]
Full Story >>>

बस में मिली राजस्थानी भाभी की चुदाई स्टोरी

नमस्कार दोस्तो, मेरी पिछली चुदाई स्टोरी फुफेरी भाभी को दारू पिला कर चोदा के लिए कई सारे ईमेल आए, जिसमें ज्यादातर ईमेल भाभी की पिक्चर मांगने के लिए थे. मैं माफ़ी चाहता हूं, मैं किसी की पर्सनल पिक्चर नहीं दे […]
Full Story >>>